फरवरी-मार्च, 2015 के दौरान कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, आफरी द्वारा सम्पन्न गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा

फरवरी, 2015

1- ग्राम विकास सेवा संस्थान द्वारा बनाड एवं जोधपुर में नाबार्ड (NABARD) के सहयोग से दिनांक 9.2.2015 को आयोजित किसान मेले में प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग एवं श्री रतना राम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का प्रतिनिधित्व किया तथा सभी उपस्थित किसानों को आफरी के शोध कार्यो तथा आफरी द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों के बारे में डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से अवगत कराया । इस अवसर पर किसानों को संस्थान द्वारा प्रकाशित खेजड़ी वृक्ष की मर्त्यता प्रबन्धन के पैम्फलेट वितरित किये गये ।

2- ग्राम विकास सेवा संस्थान द्वारा पाली जिले के रोहट में नाबार्ड (NABARD) के सहयोग से दिनांक 11.2.2015 को आयोजित किसान मेले में प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) का प्रतिनिधित्व किया । आफरी की शोध उपलब्धियों, शोध गतिविधियों के बारे में किसानों

को डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से जानकारी दी गयी। किसानों को संस्थान द्वारा प्रकाशित खेजड़ी वृक्ष की मर्त्यता प्रबन्धन के पैम्फलेट बांटे गए ।

3- एस.पी. कॉलेज ऑफ होर्टीकल्चर एण्ड फोरेस्टरी नवसारी एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय, नवसारी के स्नातक (अन्तिम वर्ष) के 27 छात्र-छात्राओं के दल ने दिनांक 10 फरवरी, 2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया । इस अवसर पर कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भावसे ने विद्यार्थियों को आफरी के शोध कार्य तथा विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी । दल के सदस्यों एवं विद्यार्थियों को विभिन्न प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक नर्सरी तथा निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण भी कराया गया ।

4- ग्राम विकास सेवा संस्थान द्वारा नाबार्ड (NABARD) के सहयोग से दिनांक 17 फरवरी, 2014 को जैसलमेर में आयोजित किसान मेले में आफरी की तरफ से प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग एवं श्री रतनाराम लोहरा ने भाग लिया तथा किसानों को डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से आफरी व इसके शोध कार्यो की जानकारी दी । किसानों को संस्थान द्वारा प्रकाशित खेजड़ी वृक्ष की मर्त्यता प्रबंधन के पैम्फलेट भी बांटे गये ।

5- **नाबार्ड (NABARD) अधिकारियों का आफरी भ्रमण-** नाबार्ड (NABARD) के 26 अधिकारियों के एक दल ने जिसमें नाबार्ड (NABARD) राजस्थान के मुख्य महा प्रबंधक (Chief General Manager) तथा विभिन्न जिलों के जिला विकास प्रबंधक (District Development Manager) सम्मिलित थे, दिनांक 19.2.2015 को आफरी का भ्रमण किया । इस दौरान प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे ने कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग आफरी के शोध कार्यो के बारे में प्रस्तुतीकरण (Presentation) दिया । इन अधिकारियों ने आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ वानिकी शोध कार्यो के बारे में विचार-विमर्श किया । इसके उपरान्त उन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, विस्तार

एवं निर्वचन केन्द्र तथा उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर विभिन्न विषय वस्तुओं की शोधपरक एवं तकनीकी जानकारी प्राप्त की ।

6- **वन रक्षकों का आफरी भ्रमण -** 22 वन रक्षकों के एक समूह ने 20.2.2015 को संस्थान का भ्रमण किया । इस समूह ने संस्थान के विभिन्न प्रभागों की प्रयोगशालाओं, विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर विभिन्न वानिकी शोध उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की । इस समूह को श्री उमाराम चौधरी, भावसे प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने भी संबोधित किया ।

7- **क्षेत्रीय वन अधिकारियों का आफरी दौरा-** दिनांक 24.2.2015 को कुंडल फोरेस्ट आकदमी, महाराष्ट् से वन अधिकारियों के एक समूह ने अपने निदेशक के नेतृत्व में संस्थान का भ्रमण किया । आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु ने समूह को संबोधित किया तथा संस्थान के शोध कार्यो व विभिन्न शोध उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी । इसके उपरान्त इस समूह ने संस्थान के विभिन्न प्रभागों की प्रयोगशालाएँ, विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र तथा उच्च तकनीक पौधशाला देखी ।

8- **महिला कृषक समूह का आफरी भ्रमण-** भोपालगढ़, जोधपुर की 40 महिला कृषकों ने सहायक कृषि अधिकारी भोपालगढ़ के साथ संस्थान का भ्रमण दिनांक 26.2.2015 को किया । इस समूह ने संस्थान की प्रयोगशालाएँ देखी तथा विस्ताए एवं निर्वचन क्रेन्द्र का भ्रमण किया । दल को प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने संबोधित किया तथा संस्थान के शोध कार्यो से अवगत कराया ।

9- **किसानों के समूह का आफरी भ्रमण-** बावड़ी, जोधपुर के 48 किसानों के समूह ने सहायक कृषि अधिकारी बावड़ी के साथ संस्थान का भ्रमण दिनांक 27.2.2015 को किया । समूह ने विभिन्न प्रभागों की प्रयोगशालाएँ व विस्तार तथा निर्वचन केन्द्र का भ्रमण किया

।किसानों के इस समूह को प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने संबोधित किया तथा संस्थान की शोध गतिविधियों से अवगत करवाया।

मार्च, 2015

1- **परबतसर, नागौर के वन सुरक्षा एवं प्रबन्धन समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आफरी भ्रमण-** राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना फेज-2 के अन्तर्गत कृषि सेवा संस्थान परबतसर नागौर के वन सुरक्षा एवं प्रबन्धन समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के 55 सदस्यीय दल ने 3.3.2015 को आफरी का एक दिवसीय दौरा किया । संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु ने इस समूह को संबोधित किया । प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने समूह को संस्थान के शोध कार्यो से अवगत कराया । इस समूह को खेजड़ी वृक्ष पर वृत चित्र दिखाया गया । डॉ. के..के. श्रीवास्तव ने खेजड़ी मर्त्यता के कारण व प्रबन्धन बताए । वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री पी.एच.चव्हाण ने खेजड़ी के अच्छे वृक्षों के चयन व संरक्षण के बारे में किसानों से चर्चा की । खेजड़ी मर्त्यता व इसके प्रबन्धन के पैम्फलेट किसानों को वितरित किए गए। दल सदस्यों को प्रयोगशाला भ्रमण भी करवाया गया। तत्पश्चात् उन्होने संस्थान के विस्तार

एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर आफरी के शोध कार्यो की जानकारी ली। दोपहर बाद समूह ने उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण भी किया तथा विभिन्न पौधों की नर्सरी तकनीक की जानकारी ली ।

2- **केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा देहरादून के प्रशिक्षु वन अधिकारियों का आफरी भ्रमण-** केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा देहरादून के 2014-15 के प्रशिक्षु वन अधिकारियों ने दिनांक 13 मार्च, 2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का भ्रमण किया । इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु, भावसे ने प्रशिक्षणार्थियों को आफरी के द्वारा किए जा रहे विभिन्न शोध कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने शुष्क क्षेत्र की पारिस्थितिकी तथा यहां पर उगने वाली वनस्पति एवं वन उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उक्त प्रशिक्षण टीम में डॉ. सुरभी राय, भावसे के नेतृत्व में

13 महिला प्रक्षिणार्थियों सहित कुल 39 प्रशिक्षणार्थी पश्चिमी भारत के दौरे पर आये । कार्यक्रम के दौरान आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी.सिंह एवं डॉ. रंजना आर्या ने भी जानकारी दी । दल को आफरी के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया ।

3- **प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का आफरी भ्रमण -** दिनांक 17.3.2015 को प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा के 34 (2014-16 बेच) अधिकारियों के समूह ने आफरी जोधपुर का भ्रमण किया । इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु,भावसे ने प्रशिक्षणार्थियों को आफरी के द्वारा किए जा रहे विभिन्न शोध कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने शुष्क क्षेत्र की पारिस्थितिकी तथा यहां पर उगने वाली वनस्पति एवं वन उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस समूह ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं को देखा तथा अन्त में विस्तार व निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर शोधपरक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की ।

4- **यूनिर्वसीटी ऑफ हॉर्टिकल्चर साइन्स, बागलकोट के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में भ्रमण -** Horticulture College of Horticulture, Bagalkot Karnatak के 55 विद्यार्थी तथा 3 स्टाफ सदस्यों ने दिनांक 17.3.2015 को आफरी का भ्रमण किया । प्रभागाध्यक्ष, श्री उमाराम चौधरी, भावसे, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने इस समूह को संबोधित किया तथा आफरी के शोध कार्यो व उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया । इन छात्रों ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं को देखा तथा अन्त में विस्तार व निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर शोधपरक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

5- **उदयपुर के वन अधिकारियों का आफरी दौरा -** वन विभाग उदयपुर के वन अधिकारियों ने दिनांक 19.3.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का भ्रमण कर वानिकी शोध की जानकारी प्राप्त की । इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु,भावसे ने वन अधिकारियों को आफरी द्वारा किए जा रहे शोध कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्हें वानिकी में नई तकनीकों की उपयोग कर गुणवत्तायुक्त पौधे

तैयार करने एवं जल तथा मृदा संरक्षण द्वारा जैव विविधता एवं उत्पादकता बढ़ाने की महती आवश्यकता बताई । इस अवसर पर आफरी वैज्ञानिक डॉ. सरिता आर्या ने बांस के टिश्यूकल्चर पर तथा डॉ. यू.के. तोमर ने बांस की विभिन्न प्रजातियों एवं उनके कायिक प्रवर्धन तथा आर्थिकी पर जानकारी प्रदान की । आफरी के पारिस्थितिकी विभाग के प्रभागाध्यक्ष एन. बाला ने जलवायु परिवर्तन एवं इसके प्रभावों तथा मृदा एवं जल संरक्षण पर व्याख्यान दिया ।

आफरी के अकाष्ठ वन उपज प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष डॉ. रंजना आर्या ने अकाष्ठ वन उपज पर शोधपरक जानकारी प्रदान की । आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. मिश्रा ने नर्सरी तकनीक आदि के बारे में जानकारी दी । डॉ. मिश्रा ने वनीकरण एवं जल संरक्षण से संबंधित महाराष्ट् के हिवडे गाँव पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन कर वन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में मॉडल विकसित करने की अपील की । डॉ. के.के. श्रीवास्तव ने जैव उर्वरकों पर जानकारी दी । कार्यक्रम का संचालन एवं आफरी के विस्तार कार्यक्रम की जानकारी आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भावसे ने दी ।

दल के सदस्यों को आफरी की विभिन्न प्रयोगशालाओं, निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र तथा नर्सरी का भ्रमण कराकर उपयोगी जानकारी दी गई । दल में 3 सहायक वन संरक्षक श्री एस,एन,शक्तावत, श्री महिपाल सिंह तथा श्री सुशील सैन के साथ 3 क्षेत्रीय

वन अधिकारी सहित वनपाल, सहायक वनपाल एवं वन रक्षक, कुल 49 सदस्य थे, जो वानिकी एवं नर्सरी तकनीक के साथ कम पानी में पौधे तैयार करने जैसी नवीन तकनीकों को जानने हेतु एक दिवसीय भ्रमण पर आफरी आये । प्रशिक्षण के दौरान विषय-विशेषज्ञों ने वन अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया ।

6- **प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का आफरी भ्रमण** - दिनांक 22.3.2015 को प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा के 33 अधिकारियों (2014-16 बैच) के समूह ने आफरी जोधपुर को भ्रमण किया । इस अवसर पर आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु, भावसे ने प्रशिक्षणार्थियों को आफरी के द्वारा किए जा रहे विभिन्न शोध कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने शुष्क क्षेत्र की पारिस्थितिकी तथा यहां पर उगने वाली वनस्पति एवं वन उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस समूह ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं को देखा तथा अन्त में विस्तार व निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर शोधपरक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की ।